

फर्द अहकाम

मौदन लाल

बनाम उपेन्द्र १३८७

नाम न्यायालय

केस संख्या ५६/२०२२

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	6/7/22	<p>जहाँ स्वयं ज़रिये अधिपत्ता के अन्तर्गत दोस्त प्रकृष्टा बाबत पञ्जावली तमब व मूल वाद किश्रा का फेर करके पट पञ्जावली तमब की जाकर मूल वाद किश्रा डिमा जा चुका है अतः इस पञ्जावली में कोई उचित अधिपत्ता नहीं है पञ्जावली जहाँ का गठन बाबत गठ का किश्रा किसे जाने की अनुमति उक्त की जाती है पञ्जावली जैसल बुमाट दोस्त फर्द तमब से उक्त ही तमब वाकिल प्रकृष्ट है</p> <p style="text-align: right;">SSR</p>

m.l.s. 6/7/22

उपर लिखित आज्ञा
 को किश्रा

जिसे न्यायालय
 के अन्तर्गत

